न्यू सांगानेर रोड पर तोड़फोड़ के लिए ''लाल निशान'' लगाने पर बवाल मचा

व्यापारियों व महिलाओं ने सड़कों पर टायर जलाकर जेडीए कार्रवाई का विरोध किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। न्यू सांगानेर रोड को 100 फीट चौड़ा करने के लिए जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) की कार्रवाई के विरोध में स्थानीय लोगों और व्यापारियों का प्रदर्शन तीसरे दिन भी जारी रहा। गुरुवार को महिलाओं सहित बड़ी संख्या में लोग सड़क पर जुटे और टायर जलाकर विरोध जताया। प्रदर्शनकारियों ने जेडीए के नाम से प्रतीकात्मक अर्थी निकाली और नारेबाजी की। प्रदर्शन के कारण सोडाला और न्यू सांगानेर रोड पर यातायात प्रभावित रहा।

ज्ञात रहे कि जेडीए प्रशासन, सोडाला तिराहे से गुर्जर की थड़ी तक सड़क चौड़ी करने के लिए कार्रवाई कर रहा है। जेडीए के अनुसार

- सोडाला से गुर्जर की थड़ी के बीच न्यू सांगानेर रोड को 100 फीट चौड़ा करने जेडीए ने दिए हैं 210 नोटिस
- जेडीए प्रशासन करीब 1.7 कि.मी. दूरी में कार्रवाई की तैयारी में है, उधर लोगों ने दीपावली तक की मोहलत मांगी





न्यू सांगानेर रोड पर तोड़फोड़ के विरोध में महिलाओं व व्यापारियों ने जेडीए के नाम से प्रतीकात्मक अर्थी निकालकर विरोध किया, जिस पर पुलिस से झड़प भी हुई।

सड़क सीमा में आने वाले निर्माणों को हटाया जाना है। कार्रवाई के दायरे में 210 संपत्तियों को नोटिस दिए गए हैं। इनमें मकान, दुकान, शोरूम, दीवार, रैंप सहित विभिन्न तरह के अतिक्रमण शामिल हैं। स्थानीय लोगों का दावा है कि 200 से अधिक मकान-दुकानें प्रभावित हो सकती है।

5 अक्टूबर को हुई थी 700 मीटर में दूरी में कार्रवाई

जेडीए ने 5 अक्टूबर से न्यू सांगानेर रोड पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की थी। पहले चरण में सड़क के दोनों ओर करीब 700 मीटर हिस्से से रैंप, रेलिंग, फुटपाथ, टिनशेड, सीढ़ियां और बाउंड्रीवॉल सहित निर्माण हटाए गए। अब करीब 1.7 किलोमीटर शेष हिस्से में कार्रवाई की तैयारी है। जेडीए के अनुसार पूरी सड़क पर करीब 260 अवैध निर्माण हटाए जाने हैं। प्रवर्तन शाखा के पुलिस उपाधीक्षक इस्लाम खान ने बताया कि हाईकोर्ट के निर्देश पर डिमार्केशन कराया गया, नोटिस दिए गए और पीटी सर्वे भी कराया गया है। उन्होंने कहा कि आपत्तियों की प्रक्रिया के अनुसार कार्रवाई आगे बढ़ाई जाएगी।

नगर निगम से जुड़ी 124 आपत्तियां लंबित

जेडीए के अनुसार नगर निगम से संबंधित 124 आपत्तियां अभी लंबित हैं। इनमें करीब 100 आपत्तियां नगर निगम के क्षेत्राधिकार से जुड़ी बताई जा रही हैं। जेडीए ने इनके निस्तारण के लिए हाईकोर्ट से चार सप्ताह का समय मांगा है। मामले में करीब दो सप्ताह बाद फिर सुनवाई होनी है। इससे पहले जेडीए ने 6 अक्टूबर को हाईकोर्ट में कार्रवाई की पालना रिपोर्ट भी पेश की थी। इसके बावजूद प्राधिकरण ने 9 अक्टूबर से आगे की कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है।

नगर निगम सिविल लाइंस जोन के उपायुक्त मनोहर लाल जाट ने कहा कि जानकारी मिलने के बाद टीम गठित की गई है और दस्तावेजों का मिलान किया जा रहा है। अशोक नगर में निगम की ओर से कुछ पट्टे जारी किए गए हैं। इनकी संख्या टीम की रिपोर्ट आने के बाद स्पष्ट होगी।

व्यापारी बोले ''डिमार्केशन का आधार स्पष्ट नहीं''

न्यू सांगानेर रोड व्यापार मंडल के महामंत्री पंकज शर्मा ने कहा कि व्यापारियों का विरोध डिमार्केशन को लेकर भी है। उनका कहना है कि सड़क चौड़ीकरण का आधार स्पष्ट नहीं हो पा रहा है। स्थानीय लोगों और व्यापारियों ने विवेक विहार और श्याम नगर मेट्रो स्टेशन परिसरों को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि एक ही रोड एलाइनमेंट पर स्थित इन परिसरों को कार्रवाई से अलग रखा गया, जबकि आसपास की निजी संपत्तियों पर लाल निशान लगाए गए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पहले डिवाइडर को सड़क का मध्य बिंदु मानकर दोनों ओर समान कार्रवाई की बात कही गई थी, लेकिन मौके पर निशान लगाते समय गूगल कोऑर्डिनेट के आधार पर अलग-अलग माप किया गया। इससे एक तरफ अधिक और दूसरी तरफ कम हिस्से में लाल निशान लगाए गए।

'पुराने पट्टे हैं, फिर भी अतिक्रमण बताया'

स्थानीय निवासी मनोज कुमावत ने कहा कि जेडीए में उन्हें अलग नक्शा दिखाया गया था, जबकि निशान लगाने के दौरान अलग स्थिति सामने आई। उन्होंने कहा कि वर्षों पुराने प्रतिष्ठानों को अतिक्रमण बताया जा रहा है और कार्रवाई हुई तो कई परिवार सड़क पर आ जाएंगे। संजय शर्मा ने आरोप लगाया कि आपत्तियों के निस्तारण की जानकारी नहीं दी जा रही। उन्होंने 1979 का सोसायटी पट्टा होने का दावा किया। व्यापारियों का कहना है कि उनके पास पुराने पट्टे और दस्तावेज हैं, इसके बावजूद संपत्तियों को अतिक्रमण की श्रेणी में रखा जा रहा है।

व्यापारियों ने दिवाली तक मोहलत की मांग

व्यापारी विजय मोदी ने जेडीए से दीपावली तक कार्रवाई रोकने की मांग की। उनका कहना है कि त्योहार से पहले आनन-फानन में कार्रवाई से कारोबार प्रभावित होगा। स्थानीय महिला पूनम शर्मा ने कार्रवाई का विरोध करते हुए कहा कि इसे रोका जाना चाहिए। अर्चना बालोदिया ने कहा कि कम समय के नोटिस पर कार्रवाई की जा रही है। बलजीत कौर ने मुआवजे और वैकल्पिक व्यवस्था का मुद्दा उठाते हुए कहा कि लोगों के सामने घर और रोजगार का संकट खड़ा हो सकता है। प्रदर्शन के दौरान कुछ लोगों की ओर से आत्मदाह जैसे कदम उठाने की धमकी दिए जाने से स्थिति की संवेदनशीलता भी बढ़ गई। पुलिस जाब्ता तैनात रहा और यातायात को नियंत्रित किया गया।

हाईकोर्ट के आदेश के बाद हुई कार्रवाई

न्यू सांगानेर रोड के प्रभावित व्यापारियों ने हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का भी रुख किया था, लेकिन उनकी याचिका खारिज हो गई। इसके बाद जेडीए की कार्रवाई का रास्ता साफ हुआ। जेडीए का कहना है कि सड़क चौड़ीकरण की कार्रवाई न्यायालय के आदेश की पालना में की जा रही है और संबंधित लोगों को पहले नोटिस दिए गए हैं। दूसरी ओर स्थानीय लोग अपनी आपत्तियों, पुराने दस्तावेजों और रोजी-रोटी के संकट का हवाला देकर कार्रवाई रोकने की मांग कर रहे हैं।

जयपुर से अपहृत 14 साल की किशोरी को उत्तरप्रदेश से छुडाया

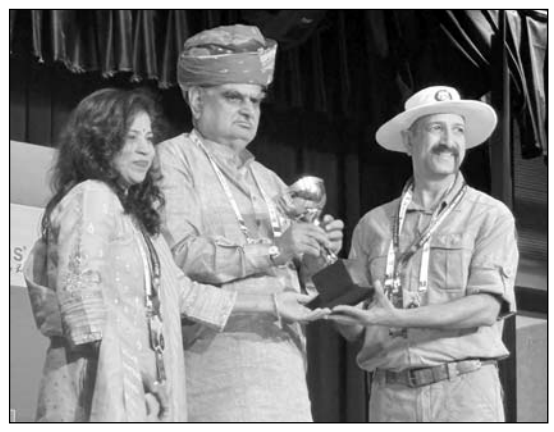
- आमेर थाना पुलिस ने आरोपी कैफ अली को गिरफ्तार किया

जयपुर। आमेर थाना पुलिस ने 14 वर्षीय नाबालिग किशोरी के अपहरण के मामले में कार्रवाई करते हुए उसे उत्तर प्रदेश के भदोही जिले से सकुशल दस्तयाब कर लिया। पुलिस ने करीब 900 किलोमीटर तक पीछा करते हुए आरोपी को भी गिरफ्तार किया है। कार्रवाई ''ऑपरेशन खुशी'' के तहत की गई। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करन शर्मा ने बताया कि 5 अक्टूबर को परिवादी ने आमेर थाने में अपनी 14 वर्षीय बेटी के बिना बताए घर से गायब होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

पुलिस मुख्यालय की ओर से गुमशुदा और अपहृत बच्चों की दस्तयाबी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन खुशी- के तहत अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर-प्रथम आलोक सिंघल के निर्देशन और सहायक पुलिस आयुक्त आमेर प्रतीक सिंह के सुपरविजन में थानाधिकारी राजेन्द्र कुमार गोदारा के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। इधर मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। जांच में पता चला कि आरोपी किशोरी को ट्रेन से उत्तर प्रदेश की ओर ले गया है। इसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, ट्रेन की लोकेशन और तकनीकी सहायता के आधार पर उसका पीछा शुरू किया। पुलिस टीम जयपुर रेलवे स्टेशन से भरतपुर, आगरा और वाराणसी होते हुए करीब 900 किलोमीटर दूर भदोही पहुंची। वहां स्थानीय पुलिस की मदद से गोपीगंज थाना क्षेत्र की जंगीगंज सराय चौकी इलाके में तलाशी अभियान चलाया गया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए किशोरी को आरोपी के चंगुल से सुरक्षित दस्तयाब कर लिया। बाद में उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। मामले में कैफ अली (21) निवासी गोपीगंज जिला भदोही, उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर मामले की आगे जांच कर रही है।

सार-समाचार

सकारात्मक नजरिया और सत्यनिष्ठा फोटोजर्नलिज्म की कसौटी : मंत्री खर्रा



जयपुर। यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि सोशल मीडिया और एआई के बढ़ते प्रभाव के दौर में फोटोजर्नलिज्म में सकारात्मक नजरिया और सत्यनिष्ठा बनाए रखना जरूरी है। वे ईमैजिन फोटो जर्नलिस्ट सोसायटी की ओर से आरआईसी में आयोजित 12वें जयपुर फोटोजर्नलिज्म सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जेन जी फोटोजर्नलिस्टों से नकारात्मक नजरिए से दूर रहने का आग्रह किया। सेमिनार में इंडिया टुडे के उपसंपादक रोहित परिहार ने पत्रकारों और फोटोजर्नलिस्टों के लिए आत्मरक्षा को प्राथमिकता देने की बात कही। डॉ. रमा माया सोलंकी ने ईमानदारी और गहन अध्ययन को सफलता का आधार बताया। अयोध्या प्रसाद गौड़ ने एआई से तैयार फर्जी फोटो और समाचार सामग्री से सावधान रहने की सलाह दी। दैनिक भास्कर के स्टेट एडिटर मुकेश माथुर ने कहा कि ग्राउंड रिपोर्टिंग, साक्षात्कार और फोटोग्राफी में मानवीय भूमिका को एआई प्रतिस्थापित नहीं कर सकता। हेमजीत मालू, पुरुषोत्तम दिवाकर, धरम कुलरिया, अंशुमान शास्त्री, नीरू यादव और विशाल स्वामी ने भी फोटोजर्नलिज्म में तकनीकी बदलाव और नए आयामों पर विचार रखे। सोसायटी की डायरेक्टर लीला दिवाकर ने आभार जताया।

वरिष्ठ पत्रकार प्रो. रमेश जैन का निधन

जयपुर। राजस्थान में पत्रकारिता एवं जनसंचार शिक्षा के पुरोधा, शिक्षाविद्, लेखक एवं वरिष्ठ पत्रकार प्रो. रमेश जैन का 84 वर्ष की आयु में बुधवार रात निधन हो गया। गुरुवार को उनके अंतिम संस्कार में पत्रकारिता एवं उच्च शिक्षा जगत से जुड़े लोगों, विद्यार्थियों और गणमान्य नागरिकों ने श्रद्धांजलि दी। प्रो. जैन राजस्थान में पत्रकारिता शिक्षा के प्रथम प्रोफेसर रहे। राजस्थान विश्वविद्यालय तथा वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के अध्यक्ष रहे। उनका पत्रकारिता जीवन 1967 में दैनिक राष्ट्रदूत से शुरू हुआ। इसके बाद हिन्दुस्तान समाचार समिति, जयपुर और नई दिल्ली में समाचार सम्पादक (डेस्क इंचार्ज) के रूप में कार्य किया। वर्ष 1981 से 1988 तक राजस्थान विश्वविद्यालय के पत्राचार अध्ययन संस्थान में पत्रकारिता विभाग के प्रभारी एवं सहायक प्रोफेसर रहे और पत्रकारिता में पीजी डिप्लोमा शुरू कराया। 1988 से 2002 तक वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय में विभागाध्यक्ष रहते हुए बीजेएमसी, एमजेएमसी और पत्रकारिता एवं जनसंचार में पीएचडी पाठ्यक्रम शुरू कराए। प्रो. जैन ने पत्रकारिता एवं जनसंचार पर 35 से अधिक पुस्तकें लिखीं। ''जनसंचार विश्वकोश'' और ''हिन्दी पत्रकारिता का आलोचनात्मक इतिहास'' उनकी प्रमुख कृतियां रहीं। उन्हें भारतेन्दु हरिश्चन्द्र राष्ट्रीय पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।

एसआईआर की निष्पक्ष जांच की मांग

जयपुर। वेलफेयर पार्टी ऑफ इंडिया, राजस्थान ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया और मतदाता सूची में बदलावों को लेकर पारदर्शिता व जवाबदेही की मांग की है। पार्टी महासचिव ए. सुब्रमणि ने कहा कि मतदाता सूची लोकतंत्र की बुनियाद है और किसी पात्र नागरिक का नाम हटना उसके मतदान के संवैधानिक अधिकार को प्रभावित करता है। उन्होंने एसआईआर के दौरान पुराने दस्तावेज और रिकॉर्ड जुटाने, विशेषकर 2002 की मतदाता सूची के आधार पर पात्रता साबित करने की प्रक्रिया पर चुनाव आयोग से स्पष्ट जवाब मांगा।

सेवानिवृत्त शिक्षिका से 80 लाख रु. साइबर ठगी में एक और बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। अजमेर निवासी सेवानिवृत्त शिक्षिका को डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाकर 80 लाख रुपए ठगने वाले अंतरराज्यीय साइबर गिरोह के खिलाफ केंद्रीय साइबर पुलिस थाना (आर4सी) जयपुर ने कार्रवाई करते हुए फलोदी निवासी आरोपी बजरंग को गिरफ्तार किया है। वारदात के करीब दो साल बाद हुई इस गिरफ्तारी के साथ पुलिस इस मामले में अब तक गिरोह के 29 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (साइबर क्राइम) विजय कुमार सिंह ने बताया कि महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा के निर्देशन में साइबर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई की गई। जांच में आरोपी की भूमिका बैंक खातों, सिम और ठगी की रकम के लेनदेन से जुड़ी सामने आई।

पुलिस के अनुसार पीड़िता ने शिकायत में बताया था कि 14 नवंबर 2024 को उसके पास एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया। उसने खुद को पुलिस और साइबर अपराध शाखा का अधिकारी बताया। आरोपी ने महिला को डराया कि उसके पहचान दस्तावेजों का इस्तेमाल कर 25 बैंक खातों में संदिग्ध लेनदेन किया गया है और वह धनशोधन के मामले में फंस सकती है।

इसके बाद आरोपियों ने वीडियो कॉल के जरिए महिला पर लगातार नजर रखी और गिरफ्तारी का भय दिखाकर उसे डिजिटल अरेस्ट कर लिया। फर्जी जांच और मदद का भरोसा देकर आरोपियों ने उसके बैंक खातों की जानकारी हासिल की और आरटीजीएस के माध्यम से 80 लाख रुपए अलग-अलग म्यूल बैंक खातों में ट्रांसफर करवा लिए। आरोपियों ने जब महिला से और रुपए मांगे तो उसे ठगी का शक हुआ। इसके बाद उसने 30 नवंबर 2024 को शिकायत दर्ज कराई। साइबर पुलिस ने मामले की जांच के दौरान कॉल डिटेल रिकॉर्ड, व्हाट्सएप चैट और बैंक लेनदेन की मनी ट्रेल का विश्लेषण किया। जांच में फलोदी निवासी बजरंग की भूमिका सामने आई। पुलिस के अनुसार, बजरंग ने महज 5 हजार रुपए के लालच में अपना केनरा बैंक खाता, एटीएम कार्ड और सिम कार्ड परिचित संदीप को उपलब्ध कराया था। इसी खाते में 26 नवंबर 2024 को पीड़ित शिक्षिका से ठगी गई रकम में से 2 लाख 10 हजार 474 रुपए ट्रांसफर हुए थे। पुलिस के अनुसार रकम को उसी दिन एटीएम और यूपीआई के माध्यम से निकाल लिया गया।

आरआईसी प्रबंधन पर भाई-भतीजावाद के आरोप, हंगामा

जयपुर। राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में गुरुवार को कथित अव्यवस्थाओं और प्रबंधन की कार्यप्रणाली को लेकर हंगामा हो गया। कार्यक्रम से जुड़े लोगों ने प्रबंधन पर भाई-भतीजावाद के आरोप लगाते हुए विरोध जताया। इस दौरान व्यवस्थाओं को लेकर भी नाराजगी सामने आई।

विरोध कर रहे लोगों का आरोप है कि सेंटर में कार्यक्रमों के आयोजन, सुविधाओं के आवंटन और अन्य व्यवस्थाओं में पारदर्शिता का अभाव है। कुछ लोगों ने प्रबंधन पर चुनिंदा लोगों को प्राथमिकता देने और नियमों के समान रूप से पालन नहीं करने के आरोप लगाए। इसके चलते सेंटर परिसर में काफी देर तक असहज स्थिति बनी रही। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर जैसे महत्वपूर्ण संस्थान में कार्यक्रमों के संचालन और प्रबंधन में पारदर्शी व्यवस्था होनी चाहिए। उनका कहना था कि किसी भी संस्था में व्यक्तिगत पसंद-नापसंद के बजाय निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं के आधार पर निर्णय लिए जाने चाहिए। हंगामे के दौरान सेंटर की व्यवस्थाओं को लेकर भी सवाल उठाए गए। आरोप लगाया गया कि आयोजन संबंधी समन्वय, प्रवेश व्यवस्था और अन्य सुविधाओं में पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है, जिससे कार्यक्रमों में आने वाले लोगों को परेशानी होती है।

श्रीपुरम कॉलोनी में सीसी रोड बनाने वाले ठेकेदार ने पानी-बिजली के कनेक्शन तोड़े

किसी के घर की पानी की लाइन फूटी किसी के घर में बिजली नहीं, विरोध करने पर अभद्रता कर रहे हैं श्रमिक : मंजू शर्मा

जयपुर। गुर्जर की थड़ी के नजदीक स्थित श्रीपुरम कॉलोनी में सीमेंट सड़क बनाने पहुंचे पीडब्ल्यूडी के ठेकेदार ने लोगों के पानी-बिजली के कनेक्शन ही खोद डाले। नतीजन पेयजल लाइन टूटने से किसी के घर का पानी बंद हो गया तो किसी के बिजली के तार टूट गए। हैरानी की बात है कि कॉलोनीवासियों के विरोध के बावजूद पीडब्ल्यूडी के इंजीनियर और ठेकेदार मौके पर नहीं पहुंचे। जबकि ठेकेदार के मजदूर मौके पर महिलाओं से गाली-गलौच व अभद्रता पर उतर आए। इसके बाद से कॉलोनीवासियों में पीडब्ल्यूडी प्रशासन और ठेकेदार के खिलाफ आक्रोश बढ़ गया है।

श्रीपुरम् कॉलोनी के पूर्व अध्यक्ष रघुवीर शर्मा ने बताया कि कॉलोनी के करीब 15 रहवासियों ने लिखित शिकायत पीडब्ल्यूडी प्रशासन को दी है। स्थानीय निवासी मंजू शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को शिकायत देकर निर्माण कार्य की नियमित निगरानी और क्षतिग्रस्त सुविधाओं को तत्काल दुरुस्त कराने की मांग की है।

उन्होंने बताया कि ठेकेदार ने सड़क निर्माण के लिए खुदाई इतनी बेढंग से की, जिससे कई घरों के जल-विद्युत कनेक्शन क्षतिग्रस्त हो गए हैं, जिन्हें अभी तक ठीक नहीं कराया गया। बिजली के टूटे हुए तार रास्ते में पड़े होने से जानलेवा हादसे का खतरा बना हुआ है। उन्होंने बताया कि सीमेंट सड़क की गुणवत्ता भी बेहद खराब है। मौके पर सड़क का काम देखने के लिए ना तो इंजीनियर आ रहे हैं और ना ही ठेकेदार, सिर्फ मजदूरों से काम करवाया जा रहा है। यह श्रमिक भी वृद्धजनों व महिलाओं से गाली-गलौच पर उतारू है। उन्होंने पीडब्ल्यूडी प्रशासन से मांग



की है कि, सीसी रोड में उपयोग की जा रही सामग्री की गुणवत्ता की जांच, निर्धारित तकनीकी मापदंडों के अनुसार निर्माण, क्षतिग्रसत जल-बिजली कनेक्शनों को दुरुस्त कराने तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों द्वारा रोजाना मौके पर निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए। अगर सड़क निर्माण में अनियमितता अथवा घटिया सामग्री मिलती है तो संबंधित ठेकेदार व जिम्मेदार अधिकारी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

''टीबी मुक्त भारत'' अभियान से जुड़ेगी युवा शक्ति

जोश टीमों के जरिए घर-घर पहुंचेगा टीबी से बचाव, जांच और इलाज का संदेश

जयपुर। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि टीबी मुक्त भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए सरकार के प्रयासों के साथ युवाओं और समाज की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। नई दिल्ली के भारत मंडपम में जोश (जाइंट स्क्वायड फॉर हेल्थ) टीमों के राष्ट्रीय शुभारंभ अवसर पर उन्होंने कहा कि युवा टीबी के लक्षण, बचाव, समय पर जांच और पूरा इलाज कराने का संदेश समुदाय तक पहुंचाने के साथ भ्रम व भेदभाव दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। प्रथम चरण में देश के 11 राज्यों के 55 जिलों में टीमें शुरू की गई हैं।

कार्यक्रम में केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।



प्रमुख शासन सचिव डॉ. गायत्री राठौड़ ''जोश'' कार्यक्रम में वर्चुअल जुड़ी।

राजस्थान के 7 जिलों में पायलट शुरुआत

राजस्थान में अलवर, बारां, बांसवाड़ा, जयपुर, जोधपुर, उदयपुर और राजसमंद में जोश टीमों का पायलट शुभारंभ हुआ। स्वास्थ्य भवन, जयपुर में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ की अध्यक्षता में अधिकारियों व चिकित्सकों ने राष्ट्रीय कार्यक्रम में वर्चुअल भाग लिया। भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रत्येक ब्लॉक स्तर की जोश टीम में 5 माय भारत वॉलंटियर्स और 5 एनसीसी कैडेट्स होंगे तथा नेतृत्व नामित क्लास-1 अधिकारी करेंगे। टीमें लोगों को टीबी के लक्षण, जांच और उपचार की जानकारी देकर समय पर जांच-इलाज के लिए प्रेरित करेंगी। गायत्री राठौड़ ने युवाओं से संवाद कर टीबी मुक्त भारत का संदेश अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में टीबी अभियान में सक्रिय सहयोग के लिए माय भारत वॉलंटियर्स को श्रीमती गायत्री राठौड एवं निदेशक जन स्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में अतिरिक्त मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन टी. शुभमंगला, निदेशक एड्स डॉ. सुशील परमार, राज्य टीबी अधिकारी डॉ. पुरुषोत्तम सोनी, डॉ. एस.एन. धोलपुरिया, माय भारत के अधिकारी एवं स्वयंसेवक तथा एनसीसी कैडेट्स मौजूद रहे।

'बेहतर बीज से बढ़ेगी सरसों की उपज'

जयपुर/सीकर। सरसों की बुवाई का समय नजदीक है। ऐसे में किसानों के लिए बेहतर गुणवत्ता वाले बीज का चयन और वैज्ञानिक तरीके से खेती करना उपज व आमदनी बढ़ाने में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। एफआईसीसीआई-सीसीएस एनआईएएम की 'भारत के सरसों क्षेत्र की क्षमता का दोहन: प्रौद्योगिकी, उत्पादकता और किसान समृद्धि' रिपोर्ट में राजस्थान और हरियाणा की सरसों खेती का अध्ययन किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार सरसों उत्पादन बढ़ाने के लिए रकबा बढ़ाने के बजाय प्रति हेक्टेयर उत्पादकता बढ़ाने पर जोर देना जरूरी है। राजस्थान में सरसों की उपज 2021-22 में 1716 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर से घटकर 2025-26 में 1552 किलोग्राम रह गई, जबकि हरियाणा में 1914 से बढ़कर 2,146 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर हो गई। राजस्थान के किसानों के अनुभवों में भी संकर बीज के फायदे सामने आए हैं।

महिला सुपरवाइजर भर्ती की ओएमआर शीट में फर्जीवाड़ा करने वाले गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की सुपरवाइजर (महिला अधिकारिता) सीधी भर्ती परीक्षा-2018 के परिणाम में ओएमआर शीट की स्कैनिंग में कथित धांधली कर अंक बढ़ाने के मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कमोद मीना (32), निवासी चाकसू, जयपुर और मनराज मीना (38), निवासी निवाई, टोंक के रूप में हुई है। दोनों को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

एसओजी के अतिरिक्त महानिदेशक विशाल बंसल के अनुसार जांच में सामने आया कि कर्मचारी चयन बोर्ड में ओएमआर शीट की स्कैनिंग और परिणाम तैयार करने का काम करने वाली कंपनी राभव लिमिटेड के कर्मचारियों और बोर्ड के अधिकारियों की कथित मिलीभगत से ओएमआर में कूटरचना की गई।

एसओजी के मुताबिक कमोद मीना की मूल ओएमआर शीट की स्कैनिंग में 35.85 अंक आए थे। आरोप है कि स्कैनिंग कंपनी के कर्मचारियों से मिलीभगत कर अंकों में बदलाव करते हुए इन्हें 183.85 अंक कर



दिया गया, जिसके बाद वह चयन सूची में शामिल हो गई। जांच के अनुसार कर्मचारी चयन बोर्ड के तत्कालीन प्रोग्रामर प्रवीण गंगवाल ने परिचित अभ्यर्थियों को चयनित कराने के लिए स्कैनिंग कंपनी के कर्मचारियों विनोद कुमार गौड़ और शादान खान के साथ मिलकर ओएमआर में कूटरचना की। इसके बदले लाखों रुपए लेने का भी आरोप है। एसओजी इस मामले में पूर्व में तत्कालीन एनालिस्ट कम प्रोग्रामर (उप निदेशक) संजय माथुर, प्रोग्रामर प्रवीण गंगवाल, अभ्यर्थी पूनम माथुर, संतोष कुमारी मीना और मीराबाई मीना सहित सात आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।